आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 293 | उज्जैन, गुरूवार 12 सितम्बर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मध्यप्रदेश सरकार किसानों के साथ किसानों को किसी तरह का नुकसान नहीं होने देंगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने जिले में खराब हुई सोयाबीन की फसल का सर्वे कराने के दिये निर्देश

भोपाल। प्रदेश सरकार किसानों के साथ है और हम किसानों को किसी तरह का नुकसान नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाजापुर जिले की पोलायकलां तहसील के ग्राम खड़ी में विभिन्न कारणों से खराब हुई सोयाबीन की फसल के अवलोकन के बाद किसानों को यह भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाजापुर कलेक्टर सहित प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को खराब हुई सोयाबीन की फसल का सर्वे कराने के निर्देश दिये। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, विधायक श्री घनश्याम चन्द्रवंशी, श्री अरूण भीमावद,

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया एवं डॉ. रवि पाण्डेय भी इस अवसर पर मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान चौपाल में कहा कि बारिश कम होने एवं कीट प्रकोप के कारण जहां-जहां भी सोयाबीन की फसल को नुकसान हुआ है, उसका पूरा सर्वे कराया जायेगा, किसानों को नुकसान नहीं होने देंगे। किसानों को अधिकतम लाभ दिया जायेगा। किसानों की जिंदगी बेहतर हो, इसके लिए केन्द्र एवं राज्य की सरकार लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने कलेक्टर शाजापुर को निर्देश दिये कि जिन किसानों को पिछले वर्षों की बीमा राशि प्राप्त नहीं हुई है, उनके प्रकरणों का निराकरण कराएं। आने वाले समय में शाजापुर जिले के किसानों को नर्मदा-पार्वती-चंबल-कालीसिंध लिंक परियोजना से पानी उपलब्ध कराया जायेगा। इससे गरीब किसानों के जीवन में बदलाव आएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देशी गाय पालन को प्रोत्साहन देने के लिए शुरू की गई कामधेनु योजना के बारे में बताते हुए कहा कि इस योजना में किसानों से गाय का दूध क्रय किया जायेगा। उन्होंने 25 गाय के पालन पर लगने वाली राशि 40 लाख पर सरकार द्वारा 10 लाख रूपये का अनुदान भी दिया जायेगा।

हॉस्टल में बच्चों का ईसाई नाम रख चल रहा था मतांतरण का खेल, पिछले 15 वर्षों से यह सिलसिला जारी था

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के अलवर में ईसाई मिशनरी द्वारा संचालित एक हॉस्टल में मतांतरण का मामला सामने आया है। पुलिस की जांच में पता चला है कि यहां रहने वाले 60 अनूसूचित जाति और जनजाति सहित विभिन्न वर्गों के बच्चों के अभिभावकों को लालच देकर मतांतरण करवाया जा रहा था।

बच्चों का दिखावे के लिए सरकारी स्कूलों में भर्ती करवा कर हॉस्टल में रखा जाता था। उनका सारा खर्च ईसाई मिशनरी वहन करती थी लेकिन मुख्य उद्देश्य बच्चों और उनके अभिभावकों का मतांतरण करवाना था।

मतांतरण करवा चुके अभिभावकों को हर महीने धन दिया जाता था। जांच में पता चला है कि 15 साल से छोटे बच्चों के मूल नाम के स्थान पर जोसफ, जाय, योहना, मैथ्यू, जैकब, शॉन, थॉमस, वाशिंगटन और अन्य ईसाई नाम रखे गए थे। इस हास्टल में अधिकांश बच्चों का मतांतरण करवाया जा चुका है।

अलवर के पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने बताया कि छोटे बच्चों के मतांतरण करवाने के मामले में प्रशिक्षण और फंडिंग की बात सामने आई है। हॉस्टल में पिछले 15 वर्षों से यह सिलसिला जारी था।

क्या अभी भी रूसी सेना में शामिल हो रहे हैं भारतीय? दावों पर आया विदेश मंत्रालय का रिएक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से एक बयान जारी कर भारतीय नागरिकों को रूसी सेना में शामिल होने के खिलाफ सख्त सलाह दी गई है। MEA की ओर से ये एडवाइजरी ऐसे समय पर सामने आई है, जब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि रूस की यात्रा करने वाले कई भारतीयों को यूक्रेन में लड़ाकू की भूमिका निभाने के लिए मजबूर किया गया।

दरअसल, गुरुवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि हमने हाल ही में रूसी सेना में भारतीय नागरिकों की भर्ती की खबरें देखी हैं। सरकार ने पिछले एक साल में कई मौकों पर इस कार्रवाई में निहित जोखिमों और खतरों को रेखांकित किया है और भारतीय नागरिकों को तदनुसार आगाह किया है। आधिकारिक बयान में आगे कहा गया कि हमने दिल्ली और मॉस्को दोनों जगहों पर रूसी अधिकारियों के साथ भी इस मामले को उठाया है और अनुरोध किया है कि इस प्रथा को समाप्त किया जाए और हमारे नागरिकों को रिहा किया जाए।

किस बात की जल्दी है, भारत-पाकिस्तान मैच रद करने की याचिका पर SC का आया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें आगामी 14 सितंबर को एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले क्रिकेट मैच को रद करने की मांग की गई थी।

दरअसल, न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ के समक्ष एक वकील ने तत्काल सुनवाई का अनुरोध करते हुए यह मामला उठाया। पीठ ने इस जनहित याचिका पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इसमें इतनी जल्दी क्या है? यह एक मैच है, इसे होने दो। मैच इस रविवार को है, क्या किया जा सकता है? याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग की थी। बता दें कि उर्वशी जैन के नेतृत्व में चार कानून की छात्राओं ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर कर कहा कि पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच का आयोजन राष्ट्रीय गरिमा और जनभावना के विपरीत संदेश देता है।

पाकिस्तान के साथ खेलना विपरीत संदेश- उच्च न्यायालय में दायर याचिका में कहा गया कि देशों के बीच क्रिकेट का उद्देश्य सद्भाव और मित्रता दिखाना है। हालांकि कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब हमारे लोग शहीद हुए और हमारे सैनिकों ने अपना सब कुछ दांव पर लगा दिया। इस स्थिति में पाकिस्तान के साथ खेलना विपरीत संदेश देता है कि जहां हमारे सैनिक अपने प्राणों की आहुति दे रहे हैं, वहीं हम उसी देश के साथ खेल का जश्न मना रहे हैं जो आतंकवादियों को पनाह दे रहा है।

फिजियोथेरेपिस्ट अपने नाम के आगे डॉक्टर नहीं लगा सकते, केवल पंजीकृत चिकित्सक ही करें इस उपाधि का इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) ने एक दिशा-निर्देश जारी कर कहा है कि फिजियोथेरेपिस्ट को अपने नाम के आगे डॉक्टर शब्द लिखने का अधिकार नहीं है। केवल पंजीकृत चिकित्सक ही इस उपाधि का इस्तेमाल कर सकते हैं।

भारतीय चिकित्सा संघ (आइएमए) के अध्यक्ष डॉ. दिलीप भानुशाली को लिखे पत्र में डीजीएचएस डॉ. सुनीता शर्मा ने कहा कि निदेशालय को फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा अपने नाम के आगे डॉक्टर लगाए जाने के सिलसिले में भारतीय भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास संघ (आइएपीएमआर) सहित विभिन्न संगठनों से कई ज्ञापन और आपत्तियां हासिल हुई हैं।

डॉ. शर्मा ने अपने पत्र में चिंता के बिंदुओं को रेखांकित करते हुए कहा कि फिजियोथेरेपिस्ट को मेडिकल डॉक्टर के रूप में प्रशिक्षित नहीं किया जाता है। इसलिए उन्हें अपने नाम के आगे डॉक्टर उपाधि का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, क्योंकि इससे मरीज और आम जनता गुमराह हो सकती है। इससे नीम-हकीमों को बढ़ावा मिल सकता है। उन्होंने कहा कि फिजियोथेरेपिस्ट को प्राथमिक चिकित्सा करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्हें केवल रेफर किए गए मरीजों का ही इलाज करना चाहिए, क्योंकि उन्हें चिकित्सीय स्थितियों का निदान करने के लिए प्रशिक्षित नहीं किया जाता है। इनमें से कुछ स्थितियां अनुचित फिजियोथेरेपी से और भी बिगड़ सकती हैं।

मीडिया संगठनों को अनिवार्य रुप से रखना होगा फैक्ट चेक मेकेनिज्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद की एक समिति ने फर्जी खबरों को सार्वजनिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर खतरा बताया है और इस चुनौती से निपटने के लिए दंडात्मक प्रविधानों में संशोधन, जुर्माना बढ़ाने और जवाबदेही तय करने की सिफारिश की है। मंगलवार को अपनाई गई अपनी मसौदा रिपोर्ट में संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी पर स्थायी समिति ने सभी प्रिंट, डिजिटल और इलेक्ट्रानिक मीडिया संगठनों में अनिवार्य रूप से फैक्ट चेक मेकेनिज्म और आंतरिक लोकपाल रखने का भी आह्वान किया है।

पहली बार कोलकाता-आइजोल के बीच शुरू होने जा रही ट्रेन सेवा, 13 सितंबर को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

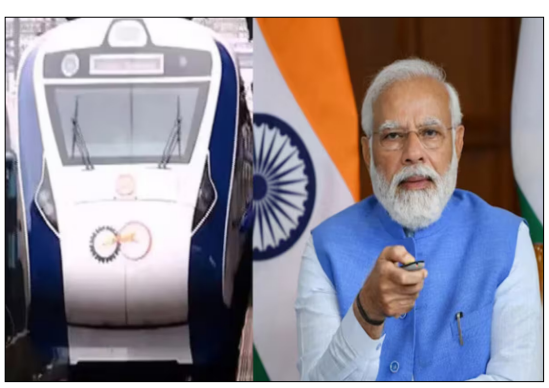

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वोत्तर में स्थित सुदूरवर्ती राज्य मिजोरम तक अब लोग सीधे ट्रेन से जा सकेंगे। आगामी 13 सितंबर को पहली बार मिजोरम की राजधानी आइजोल से कोलकाता के बीच सीधी ट्रेन सेवा शुरू होने जा रही है। देश की आजादी के 78 वर्ष बाद मिजोरम रेल नेटवर्क से जुड़ने को पूरी तरह तैयार है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 सितंबर को आइजोल को जोड़ने वाले 51.38 किलोमीटर लंबी नवनिर्मित बइरबी-सायरंग रेलमार्ग और दो नई ट्रेनों का उद्घाटन करेंगे। यह लाइन असम-मिजोरम सीमा के पास स्थित बइरबी से शुरू होकर, राजधानी आइजोल से मात्र 18 किलोमीटर दूर बसे छोटे नगर सायरंग तक पहुंचती है।

कोलकाता में पूर्व रेलवे के प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (पीसीसीएम) डॉ. उदय शंकर झा ने बताया कि पीएम मोदी उस दिन आइजोल के सायरांग से कोलकाता स्टेशन तक के लिए एक एक्सप्रेस ट्रेन और सायरांग से नई दिल्ली के आनंद बिहार तक के लिए मिजोरम की पहली राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन का भी उद्घाटन करेंगे। उन्होंने बताया कि 13125 कोलकाता-सायरंग एक्सप्रेस के शुरू होने से कोलकाता के लोग आसानी से मिजोरम की खूबसूरत वादियों तक पहुंच सकेंगे।

कोलकाता स्टेशन से सप्ताह में तीन दिन खुलेगी यह ट्रेन- डॉ. झा ने बताया कि यह ट्रेन कोलकाता स्टेशन से सप्ताह में तीन दिन शनिवार, मंगलवार और बुधवार को रवाना होगी। वापसी में 13226 सायरंग-कोलकाता एक्सप्रेस सोमवार, गुरुवार और शुक्रवार को सायरंग से खुलेगी। 22 कोच वाली इस ट्रेन के सभी डिब्बे एलएचवी होंगे। कोलकाता और सायरंग स्टेशनों के मध्य इस ट्रेन का ठहराव नैहाटी, कृष्णानगर सिटी, बहरमपुर कोर्ट, मुर्शिदाबाद, आजिमंग, जंगीपुर रोड, न्यू फरक्का, मालदा टाउन, किशनगंज, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूचबिहार, तूफानगंज, गोलकगंज, गौरीपुर, विसालपुर, अभयपुरी, गोवालपाड़ा टाउन, कामाख्या, गुवाहाटी, होजाई, न्यू हाफलाम, बदरपुर, हैलाकांडी और बइरबी में होगा। झा ने बताया कि यह रेल परियोजना न केवल भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण थी, बल्कि इंजीनियरिंग और निर्माण की दृष्टि से भी भारतीय रेल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

नेपाल में फिर बवाल, जेल तोड़कर भाग रहे कैदियों पर सेना ने बरसाई गोलियां; 12 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में Gen-Z आंदोलन के उग्र रूप ने सभी को हैरान कर दिया है। नेपाल में अब शुक्रवार को तक कर्फ्यू को बढ़ा दिया गया है। इस बीच एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। नेपाल के रामेछाप जिला जेल में बड़े पैमाने पर कैदी भागने की फिराक में थे, जिनपर सेना द्वारा गोलीबारी की गई।

काठमांडू पोस्ट के अनुसार, गुरुवार सुबह रामेछाप जिला जेल में बड़े पैमाने पर कैदियों के भागने के प्रयास को रोकने के लिए नेपाली सेना द्वारा की गई गोलीबारी में लगभग 12 से 13 कैदी घायल हो गए।

जेल तोड़कर भागने में लगे कैदी- जानकारी के अनुसार, नेपाल के रामेछाप के मुख्य जिलाधिकारी श्याम कृष्ण थापा ने कहा कि जेल में बंद कैदियों ने कई आंतरिक ताले तोड़े और मुख्य दरवाजे को जबरदस्ती खोलने की कोशिश की। इसके बाद सुरक्षा बलों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

बताया गया कि सेना के गेट पर पहुंचने ही की गई गोलीबारी में लगभग 12-13 कैदी घायल हो गए। बताया जाता है कि नेपाल के रामेछाप नगरपालिका के वार्ड 8 स्थित इस जेल में 800 से अधिक कैदी बंद हैं। पुलिस ने पुष्टि करते हुए बताया कि सभी कैदियों को काबू कर लिया गया है और स्थिति अब नियंत्रण में है।

प्रदर्शन के बीच जेल तोड़ने की घटना बढ़ी- काठमांडू पोस्ट के अनुसार, देश में जारी Gen-Z प्रदर्शन के बीच बुधवार को जेल तोड़ने की कोशिशों में तेजी देखी गई। जेल की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया। इसके अलावा नेपाल पुलिस और सशस्त्र बल के जवानों को जेल की सुरक्षा में तैनात कर दिया गया है।

बताया जा रहा है कि बुधवार शाम जारी एक प्रारंभिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि नेपाल के इतिहास में सबसे बड़ी जेल ब्रेक घटना में देश भर की 25 से अधिक जेलों से 15,000 से अधिक कैदी भाग गए। अभी तक की जानकारी के अनुसार, केवल कुछ कैदी ही स्वेच्छा से वापस लौटे हैं या फिर सेना ने फिर से एक बार पकड़ा है।

नेपाल में Gen-Z प्रदर्शन के बाद पीएम ओली का इस्तीफा- बता दें कि नेपाल में हाल के दिनों में 26 सोशल मीडिया एप को बैन कर दिया गया। इस बैन के विरोध में Gen-Z सड़कों पर उतर आए और जमकर प्रदर्शन किया। संसद भवन से लेकर कई सरकारी इमारतों को लोगों ने आग के हवाले कर दिया।

इस प्रदर्शन के बीच पीएम केपी शर्मा ओली ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। नेपाल में सेना ने स्थिति को सामान्य करने के लिए मोर्चा संभाल लिया है। सुरक्षा बलों के साथ झड़पों में 30 लोग मारे गए हैं और 1000 से ज़्यादा घायल हुए हैं। नेपाली सेना द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए काठमांडू सहित कई शहरों में कर्फ्यू लगा दिया गया है, जो शुक्रवार सुबह तक जारी रहेगा।

नेपाल में अंतिरम पीएम के नाम पर ट्विस्ट, सुशीला कार्की की जगह Gen-Z ने इस नेता के नाम का दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में सुशीला कार्की के अंतरिम कयासों के बीच अब एक नया सामने आया है। अब खबर है कि बिजली संकट का हल निकालने वाले इंजीनियर कुल मान घिसिंग को अंतरिम सरकार की कमान सौंपी जा सकती है। प्रदर्शनकारियों ने उन्हें देशभक्त और सबका चहेता बताते हुए चुना है।

जेन जी प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार दोपहर एक संक्षिप्त बयान में बताया कि छह घंटे की वर्चुअल बैठक में काठमांडू के मेयर बलेंद्र 'बालेन' शाह और सुप्रीम कोर्ट की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नामों पर भी विचार हुआ। लेकिन घिसिंग का नाम सामने आना कई लोगों के लिए चौंकाने वाला है।

एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि, प्रदर्शनकारियों ने पहले काठमांडू के मेयर बालेन शाह को अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने का प्रस्ताव दिया था। अपनी रैपर छवि और युवाओं में लोकप्रियता के कारण बालेन 'जेन जी' के करीब माने जाते हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया पर शांति की अपील भी की थी। लेकिन बालेन ने यह जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों में मतभेद की खबरें भी सामने आई।

इसके बाद पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का नाम सामने आया। लेकिन कुछ प्रदर्शनकारियों ने उनकी उम्र (73 साल) और संविधान का हवाला देते हुए इसका विरोध किया। उनका कहना था कि संविधान पूर्व जजों को प्रधानमंत्री बनने से रोकता है। इस बहस ने कुल मान घिसिंग के नाम को और मजबूती दी है।

युवाओं के हीरो, ट्रंप के करीबी... कौन हैं चार्ली किर्क जिन्हें डिबेट के दौरान मारी गई गोली?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के यूटा वैली विश्वविद्यालय में एक कॉलेज फेस्ट के दौरान चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई। चार्ली राष्ट्रपति ट्रंप के बेहद करीबी माने जाते रहे हैं। किर्क चार्ली की हत्या ने अमेरिकी में एक नई चर्चा को जन्म दे दिया है।

चार्ली किर्क को अमेरिकी कंजरवेटिव युवाओं का हीरो माना जाता है। चार्ली डोनाल्ड ट्रंप के कट्टर दक्षिणपंथी रिपब्लिकन आंदोलन की युवा पीढ़ी के मुखर प्रवक्ता थे।

चार्ली किर्क राष्ट्रपति टंप के बेहद करीबी रहे हैं। उनकी हत्या के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान जारी किया है। इस बयान में उन्होंने कहा कि मैं सभी अमेरिकियों से उन अमेरिकी मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध होने का आग्रह करता हूं जिनके लिए चार्ली किर्क जिए और मरे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, नागरिकता, कानून का शासन और ईश्वर के प्रति देशभक्तिपूर्ण समर्पण और प्रेम के मूल्यों के लिए अपना जीवन जिया।

बताया जाता है कि साल 2020 में राष्ट्रपति चुनाव में अमेरिकी राष्ट्रपति के धोखाधड़ी के झूठे दावों का भी चार्ली किर्क ने समर्थन किया था। इस दौरान उन्होंने अमेरिका के ट्रांसजेंडरों और प्रवासियों पर हमला भी बोला था।

जब रसोई में बर्तन होते हैं तो..., सुशीला कार्की ने भारत के लिए क्या कहा? पीएम मोदी पर भी दिया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में Gen Z ने 73 साल की पूर्व जज सुशीला कार्की को देश का नेतृत्व सौंपा है। आज सेना के साथ बैठक में सुशीला कार्की के नाम पर औपचारिक मुहर भी लग जाएगी।

इस बीच सुशीला ने भारत के लिए अपने दिल में बसी गहरी मोहब्बत को जाहिर किया। वहीं उन्होंने पीएम मोदी की भी तारीफ की है। उन्होंने कहा, मैं मोदी जी को प्रणाम करती हूं। मेरे दिल में उनके लिए बहुत इज्जत है।

नेपाल की पहली महिला चीफ जस्टिस रह चुकीं सुशीला ने भारत के साथ दोस्ती की नई उम्मीद जगाई है। सुशीला ने भारत के साथ रिश्तों को और मजबूत करने की बात कही। एक न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच सरकारें भले ही अलग-अलग नीतियां बनाती हों, लेकिन नेपाल और भारत के लोगों का रिश्ता दिल से दिल तक है।

बनारस की यादों का किया जिक्र- सुशीला ने अपनी पढ़ाई के दिनों को याद करते हुए बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू) की बात की, जहां उन्होंने अपनी मास्टर्स की डिग्री हासिल की। उन्होंने पुरानी यादों को ताजा करते हुए कहा, मुझे आज भी अपने टीचर्स और दोस्त याद हैं। गंगा नदी के किनारे हमारा हॉस्टल था। गर्मियों में हम छत पर सोते थे।

गुनहगारों को नहीं छोड़ेंगे, चार्ली किर्क की हत्या पर ट्रंप का फूटा गुस्सा; किसे ठहराया हमले का जिम्मेदार?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक वीडियो संदेश जारी किया। इसमें उन्होंने यूटा वैली विश्वविद्यालय में अपने सहयोगी चार्ली किर्क की हत्या पर गहरा दुख और गुस्सा जताया।

उन्होंने वादा करते हुए कहा कि उनका प्रशासन इस अत्याचार और अन्य प्रकार की राजनीति में शामिल हर एक शख्स को न्याय के कठघरे में पहुंचाएगा।

चार्ली किर्क की हत्या पर क्या बोले अमेरिकी राष्ट्रपति- अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर एक वीडियो पोस्ट में राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि सालों से, कट्टरपंथी वामपंथी चार्ली जैसे अद्भुत अमेरिकियों की तुलना नाज़ियों और दुनिया के सबसे बुरे सामूहिक हत्यारों और अपराधियों से करते रहे हैं। इस वीडियो संदेश में उन्होंने किर्क की हत्या को जघन्य और अमेरिका के लिए एक काला क्षण बताया।

अपने वीडियो संदेश में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले साल बटलर, पेंसिल्वेनिया में मेरे जीवन पर हुए हमले से लेकर आईसीई एजेंटों पर हमले, न्यूयॉर्क की सड़कों पर एक स्वास्थ्य सेवा अधिकारी की नृशंस हत्या, और सदन के बहुमत नेता स्टीव स्कैलिस और तीन अन्य की गोली मारकर हत्या तक। कट्टरपंथी वामपंथी राजनीतिक हिंसा ने बहुत से निर्दोष लोगों को चोट पहुंचाई है और बहुत से लोगों की जान ली है। राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि कट्टरपंथी वामपंथियों की बयानजाबी अमरिका में आतंकवादक के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि इसको तुरंत रोकना होगा।

चार्ली किर्क Gun violence पर कर रहे थे चर्चा, तभी हमलावर ने मारी गोली; सामने आया मर्डर का वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के मशहूर दक्षिणपंथी कार्यकर्ता और टिप्पणीकार चार्ली किर्क की बुधवार को यूटा वैली यूनिवर्सिटी में एक इवेंट के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई।

31 साल के चार्ली राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी थे। ये हादसा तब हुआ जब वे एक बड़े जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि गोली लगने के बाद किर्क के गले से खून की धार बहने लगी और मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

घटना का यह दृश्य इतना भयावह था कि लोग चीखने-चिल्लाने लगे और जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। किर्क को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर उनकी मौत की पुष्टि की और कहा, चार्ली को सभी प्यार करते थे, खासकर मैं। वह अब हमारे बीच नहीं रहे। यूटा वैली यूनिवर्सिटी के आउटडोर क्वाड में किर्क का इवेंट चल रहा था। यह जगह कैंपस में होने वाले आयोजनों के लिए जानी जाती है। किर्क अपने प्रूव मी रॉन्ग टेंट के नीचे बैठकर लोगों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गोली चलने से ठीक पहले किर्क बंदूक हिंसा के मुद्दे पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। अचानक एक तेज आवाज हुई और किर्क ने अपने गले को पकड़ लिया। उनके गले से खून बहने लगा और वे कुर्सी से गिर पड़े।

ट्रंप की गलतियों से 20 साल पीछे जा सकते हैं भारत-अमेरिका के रिश्ते, US सांसदों की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई टैरिफ नीतियों और कूटनीतिक गलतियों ने भारत और अमेरिका के बीच 25 साल की मेहनत से बने रिश्तों को खतरे में डाल दिया है।

एक प्रमुख डेमोक्रेट सांसद और कई पूर्व अमेरिकी राजनयिकों ने चेतावनी दी है कि अगर ये हालात नहीं सुधरे, तो दोनों देशों के बीच की साझेदारी को गहरा नुकसान हो सकता है।

इस मुद्दे पर चर्चा के लिए एक आपातकालीन कॉन्फ्रेंस कॉल बुलाई गई, जिसमें भारत-अमेरिका रिश्तों की अहमियत को बचाने की आवाज उठी।

कांग्रेसनल इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष सांसद रो खन्ना ने इसका आयोजन किया। इसमें पूर्व अमेरिकी राजदूत रिच वर्मा और एरिक गार्सेटी के साथ-साथ उद्योगपति विनोद खोसला और भारतीय मूल के टेक लीडर्स शामिल हुए। यह कॉल इस बात का सबूत है कि भारतीय-अमेरिकी समुदाय में इस रिश्ते को लेकर कितनी बेचैनी है।

रिश्ते को बचाने के लिए अलार्म बजाना जरूरी

रो खन्ना ने साफ कहा, ÷मैं ये कॉल तब तक न बुलाता, जब तक बात गंभीर न होती। हमें इस रिश्ते को बचाने के लिए अलार्म बजाना जरूरी है।÷ खन्ना ने पहले भी एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो में भारत-अमेरिका रिश्तों में आ रही गिरावट पर चिंता जताई थी।

वर्दी पहनने के बाद जाति और धर्म से ऊपर उठकर काम करें, SC की महाराष्ट्र पुलिस को फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के अकोला में मई 2023 में हुए सांप्रदायिक दंगों की जांच के लिए एक विशेष जांच दल गठन करने का आदेश दिया है। इसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के वरिष्ठ पुलिस अफसर शामिल होंगे।

कोर्ट ने महाराष्ट्र पुलिस की पक्षपातपूर्ण जांच पर सख्त नाराजगी जताई और कहा कि पुलिस का काम बिना किसी धर्म या जाति के भेदभाव के कानून के मुताबिक निष्पक्ष जांच करना है।

यह आदेश 17 साल के मोहम्मद अफजल मोहम्मद शरीफ की याचिका पर आया, जिन्होंने दंगों में हमले का शिकार होने के बावजूद पुलिस की निष्क्रियता का आरोप लगाया। अकोला में मई 2023 में एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर भड़के दंगों में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि आठ लोग, जिनमें दो पुलिसवाले शामिल थे, घायल हुए थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में महाराष्ट्र पुलिस की लापरवाही और एकतरफा रवैये को गंभीरता से लिया और कहा कि पुलिस को अपनी वर्दी की गरिमा को समझना होगा।

क्या है मामला- मई 2023 में अकोला के पुराने शहर में सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी। एक सोशल मीडिया पोस्ट ने आग में घी का काम किया, जिसके बाद हालात बेकाबू हो गए। इस हिंसा में विलास महादेवराव गायकवाड़ की मौत हो गई, जबकि 17 साल के मोहम्मद अफजल गंभीर रूप से घायल हो गए। अफजल ने अपनी याचिका में बताया कि दंगों के दौरान उन पर जानलेवा हमला हुआ, लेकिन पुलिस ने उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की।

बंगाल को बंगाल ही चलाएगा, दिल्ली नहीं, सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र पर बोला तीखा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर बंगाल के दौरे के दौरान केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला।

उत्तर बंगाल के दौरे पर पहुंची तृणमूल नेत्री- जलपाईगुड़ी में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने असम से बंगाल के लोगों को एनआरसी नोटिस भेजने, प्रवासी श्रमिकों पर अन्य राज्यों में अत्याचार और संघीय ढांचे में केंद्र के हस्तक्षेप जैसे मुद्दों पर प्रधानमंत्री मोदी की सरकार पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने केंद्र पर संघीय ढांचे में हस्तक्षेप का भी आरोप लगाया। ममता ने कहा कि पिछली बार सघन मतदाता पुनरीक्षण कार्य में करीब दो साल का समय लगा था। अब दो से तीन महीने में इसको करने की बात कही जा रही है। यह कैसे संभव है।

सीएम ममता ने कहा कि दिल्ली नहीं, बंगाल ही बंगाल को चलाएगा

सीएम ममता ने कहा कि दिल्ली नहीं, बंगाल ही बंगाल को चलाएगा। देश के कुछ हिस्सों में बंगाल के प्रवासी श्रमिकों पर हो रहे अत्याचारों पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि देखते हैं, किसमें कितनी हिम्मत है, कितना अत्याचार कर सकता है? आरोप लगाया कि अन्य राज्यों में बांग्ला भाषा बोलने वालों को बांग्लादेशी कहकर उत्पीड़न किया जा रहा है।

एअर इंडिया फ्लाइट से आधी रात को उतारे गए 200 से अधिक यात्री, सामने आई ये वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंगापुर जाने वाले एअर इंडिया के एक विमान में सवार 200 से ज्यादा यात्रियों को बुधवार शाम दिल्ली हवाई अड्डे पर मुश्किलों का सामना करना पड़ा, क्योंकि लगभग दो घंटे तक विमान में बैठे रहने के बाद सभी यात्रियों को विमान से उतार दिया गया। विमान का एयर कंडीशनिंग सिस्टम खराब था।

बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमान से संचालित होने वाली उड़ान संख्या AI2380 को रात लगभग 11 बजे दिल्ली हवाई अड्डे से उड़ान भरनी थी, लेकिन इसमें देरी हो गई।

विमान में मौजूद पीटीआई के एक पत्रकार के अनुसार, विमान का एअर कंडीशनिंग सिस्टम और बिजली की आपूर्ति खराब थी।

लगभग दो घंटे तक विमान में बैठे रहने के बाद, सभी यात्रियों को विमान से उतारकर टर्मिनल भवन ले जाया गया। उन्होंने बताया कि चालक दल ने 200 से ज्यादा यात्रियों को विमान से उतारने के फैसले का कोई खास कारण नहीं बताया।

एअर इंडिया की ओर से तत्काल कोई बयान नहीं आया। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो क्लिप में यात्री अखबारों और पत्रिकाओं से हवा लेते हुए दिखाई दे रहे हैं।

नेपाल की जेल से भागे कैदियों पर SSB का शिकंजा, यूपी-बिहार और बंगाल की सीमा पर 35 को दबोचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नेपाल के जेलों से फरार हुए 35 कैदियों को धर दबोचा है। ये कैदी नेपाल में हाल के अशांति और दंगों के बीच जेलों से भाग निकले थे।

एसएसबी ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में इन फरार कैदियों को सीमा पार करने की कोशिश करते हुए पकड़ा। अधिकारियों का कहना है कि सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है और पकड़े गए कैदियों की तादाद अभी और बढ़ सकती है।

नेपाल में बिगड़ते हालात के बीच भारत ने अपनी सीमा को और मजबूत कर लिया है ताकि कोई भी अपराधी भारतीय सीमा में दाखिल न हो सके।

नेपाल में हाल ही में हिंसक विरोध प्रदर्शनों ने हालात को गंभीर बना दिया। इन प्रदर्शनों के बीच नेपाल के 77 जिलों में जेलों से हजारों कैदी फरार हो गए। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा, जिसके बाद वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई।

नेपाल आर्मी को जेलों के आसपास तैनात किया गया है, लेकिन हालात अब भी तनावपूर्ण हैं। इस बीच, भारत की ओर से एसएसबी ने अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई और फरार कैदियों को भारत में घुसने से पहले ही पकड़ लिया।

एसएसबी ने उत्तर प्रदेश में 22, बिहार में 10 और पश्चिम बंगाल में तीन कैदियों को पकड़ा। ये सभी कैदी बिना वैध दस्तावेजों के भारत में घुसने की फिराक में थे। एसएसबी ने सीमा पर चौकसी बढ़ाते हुए हर आने-जाने वाले की सख्त जांच शुरू कर दी।

खुफिया जानकारी और गश्त को और तेज कर दिया गया है ताकि कोई भी फरार कैदी भारतीय सीमा में दाखिल न हो सके। बुधवार को उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में पांच और कैदियों को पकड़ा गया, जो नेपाल से भागकर भारत में घुसने की कोशिश कर रहे थे।

कुकर से मारा फिर कैंची से रेता महिला का गला... हैदराबाद में चोरों का कारनामा दिमाग हिला देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद के साइबराबाद इलाके में एक सनसनीखेज वारदात ने सबको हिलाकर रख दिया। एक 50 साल की महिला रेणु अग्रवाल की उनके ही घर में बेरहमी से हत्या कर दी गई।

चोरों ने पहले उन्हें प्रेशर कुकर से पीटा, फिर चाकू और कैंची से गला रेतकर उनकी जान ले ली। इतना ही नहीं, लूटपाट के बाद चोरों ने घर में नहाया, खून से सने कपड़े छोड़कर फरार हो गए। यह खौफनाक घटना एक गेटेड कम्युनिटी में हुई, जिसने सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए। पुलिस ने इस मामले में दो घरेलू नौकरों को मुख्य संदिग्ध माना है, जो अब फरार हैं।

रेणु अग्रवाल अपने पति और 26 साल के बेटे के साथ साइबराबाद की स्वान लेक अपार्टमेंट में 13वीं मंजिल पर रहती थीं। यह एक सुरक्षित गेटेड कम्युनिटी मानी जाती थी। बुधवार सुबह करीब 10 बजे उनके पति और बेटा अपने स्टील कारोबार के लिए घर से निकले। शाम 5 बजे जब रेणु ने फोन का जवाब नहीं दिया, तो चिंतित होकर उनके पति जल्दी घर लौटे। दरवाजा बंद था, इसलिए उन्होंने एक प्लंबर की मदद से बालकनी के रास्ते घर में प्रवेश किया। अंदर का मंजर देखकर उनके होश उड़ गए, रेणु की लाश खून से लथपथ पड़ी थी। उनके हाथ-पैर बंधे थे, और सिर पर प्रेशर कुकर से वार किए गए थे। गले पर चाकू और कैंची के गहरे जख्म थे। पुलिस को तुरंत सूचना दी गई और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया।

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला कि चोरों ने घर से 40 ग्राम सोना और 1 लाख रुपये नकद लूटे। हैरानी की बात यह है कि हत्या के बाद चोरों ने घर में ही नहाया, अपने खून से सने कपड़े छोड़ दिए, और दूसरे कपड़े पहनकर फरार हो गए।

सीसीटीवी फुटेज में दो संदिग्धों को 13वीं मंजिल पर जाते और फिर शाम 5:02 बजे निकलते देखा गया। यह फुटेज पुलिस के लिए बड़ा सुराग साबित हो रही है।

एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर घर में ही दफनाए शव, बदबू आने पर हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के खरसिया तहसील समीपस्थ ठुसेकेला गांव से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां घर में घुसकर एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या कर दी गई है। वारदात का खुलासा 4 दिन बाद घर से बदबू आने पर हुआ। जानकारी के अनुसार घटना गांव के राजीव नगर मोहल्ले की है।

जहां एक बंद घर से आने वाले बदबू ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया। इससे कई तरह की कयास के साथ अनहोनी की आशंका भी लगाए जाने लगे।

मोहल्ले वासियों ने असहनीय बदबू के बाद पुलिस को सूचित कर खुलवाया गया है। कमरे के भीतर जगह-जगह खून के छीटे कई तरह के वीभत्स कहानी को बयां कर रहे हैं।

खून के छींटे और मौके पर मौजूद सबूतों के मद्देनजर पुलिस इसे हत्या से जोड़कर देख रही है। जिसमें बुधराम उरांव और अपने पत्नी बच्चे समेत पांच लोगों की लाश घर के कमरे के भीतर ही जमीन में लाश दफनाने की सनसनीखेज बात की चर्चा होने लगी है।

वहीं जमीन के भीतर कितनी लाश दफन है, इसके पर्दाफाश के लिए फोरेंसिक टीम का इंतजार किया जा रहा है। जिनके आने के बाद पूरी कानूनी प्रक्रिया के उपरांत पूरे मामले में छाए रहस्यमयी घटनाक्रम से पर्दा उठ पाएगा।

इधर जमीन में लाश दफनाए जाने की चर्चा से आसपास से बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति ने कौतूहल का माहौल बना दिया है। वहीं, जिला मुख्यालय से पुलिस बल आलाधिकारियों की टीम घटनास्थल पर उपस्थित है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

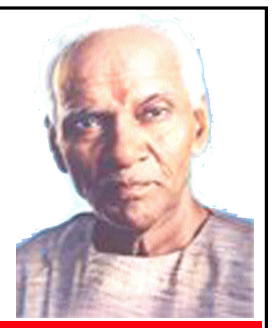

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पंचमी

संपादकीय

विश्व धर्म संसद में ईसाई मिशनरियों को खुलेआम ललकारा था स्वामी विवेकानंद ने

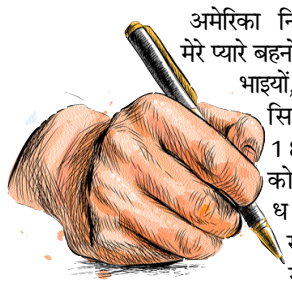

अमेरिका निवासी मेरे प्यारे बहनों और भाइयों, 11 सितंबर 1893 को,विश्व धर्म संसद में जैसे ही स्वामी जी ने इस उद्बोधन के साथ अपना भाषण प्रारंभ किया,शिकागो के आर्ट इंस्टिट्यूट में उपस्थित विश्व के कोने-कोने से एकत्रित सभी धर्मों के 7000 प्रतिनिधि किसी अदृश्य शक्ति के आकर्षण से प्रेरित होकर स्वामी जी का सम्मान करने को खड़े हो गए। दो मिनट तक अनवरत तालियां बजती रही। शिकागो में 11 सितंबर 1893 से प्रारंभ होकर विश्व धर्म संसद 27 सितंबर 1893 तक लगातार 17 दिन चलती रही। इसमें से 6 दिन स्वामी जी ने अपना भाषण दिया। उनका महत्वपूर्ण भाषण 19 सितंबर और 20 सितंबर का रहा। यहाँ बहुत ही संक्षेप में उनके भाषण के कुछ अंश आपको बताते है -

उन्नीस सितंबर को स्वामी जी ने अपना भाषण हिंदू धर्म पर दिया। स्वामी जी ने अपने भाषण में कहा - ÷ऐतिहासिक युग के पूर्व के केवल तीन ही धर्म आज संसार में विद्यमान है - हिंदू धर्म ,पारसी धर्म ,और यहूदी धर्म। ये तीन धर्म अनेकानेक प्रचंड आघातों के पश्चात भी लुप्त ना होकर आज भी जीवित है। यह उनकी आंतरिक शक्ति का प्रमाण है पर जहां हम यह देखते हैं कि यहूदी धर्म,ईसाई धर्म को नहीं पचा सका, वरन अपनी सर्व विजयी संतान ईसाई धर्म द्वारा अपने जन्म स्थान से निर्वासित कर दिया गया,और यह कि केवल मुट्ठीभर पारसी ही अपने महान धर्म की गाथा गाने के लिए अब अवशेष हैं। वहाँ भारत में एक के बाद एक अनेक धर्म पंथों का उद्भव हुआ और वे पंथ वेदप्रणीत धर्म को जड़ से हिलाते से प्रतीत हुए। पर भयंकर भूकंप के समय समुद्री किनारों की जल तरंगों के समान यह धर्म कुछ समय के लिए इसलिए पीछे हट गया कि वह तत्पश्चात हजार गुना अधिक बलशाली होकर सबको डुबाने वाली बाढ़ के रूप में लौट आए ,और जब यह सारा कोलाहल शांत हो गया,तब सारे धर्म संप्रदाय अपनी जन्म दात्री मूल हिंदू धर्म की विराट काया द्वारा आत्मसात कर लिए गए,पचा लिए गए।

बीस सितंबर को अपने भाषण में स्वामी जी ने ईसाई भारत के लिए क्या कर सकते हैं , पर बोलते हुए कहा - आप लोग अपने धर्म उपदेशक अन्य देशों में भेजकर मूर्ति पूजकों को अपने धर्म में लाने के लिए तो बड़े उत्सुक हैं , पर जो लोग अन्न बिना मर रहे हैं , उन्हें बचाने के लिए आप कोई उपाय क्यों नहीं करते ? भारतवर्ष में जब भयानक अकाल पड़ा था तो सहस्रों और लाखों हिंदू भूख से पीड़ित होकर मर गए , पर आप सब ईसाइयों ने उनके लिए कुछ नहीं किया द्य आप लोग सारे हिंदुस्तान में गिरजे बनाते हैं , पर मैं कहूं पूर्वीय देश में धर्म का अभाव नहीं है , उनके यहां तो वैसे ही आवश्यकता से अधिक धर्म हैं। वहाँ अभाव है रोटी का ,अन्न का। हिंदुस्तान के लाखों भूखे लोग सूखे गले से अन्न अन्न, रोटी रोटी, चिल्ला रहे हैं। वे तो हमसे अन्न मांगते हैं , और हम उन्हें देते हैं पत्थर। भूखों को धर्म का उपदेश देना उनका अनादर और तिरस्कार करना है।

स्वामी विवेकानंद का कहना था *दुनिया क्या कहेगी ऐसा सोचना ही कमजोरी है , तुम्हें खुद जो अच्छा जान पड़ता है , वही करो ,जीवन का रहस्य यही है।* उन्होंने आगे कहा *पुराने धर्म में नास्तिक उसे कहते थे जो ईश्वर में विश्वास नहीं करता था परंतु नया धर्म उसे नास्तिक कहता है जिसे स्वयं में विश्वास नहीं*

इस प्रकार स्वामी विवेकानंद ने विश्व धर्म सम्मेलन में भूखे लोगों को लालच देकर धर्म परिवर्तन करवाने वाली ईसाई मिशनरियो को खुले आम दुत्कारने का साहस शिकागो में सात हजार विश्व प्रतिनिधियों के सामने किया।

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी हिन्दी साहित्य के प्रख्यात साहित्यकार थे। बीस वर्ष की उम्र के पहले ही उन्हें जयपुर की वेधशाला के जीर्णोद्धार तथा उससे सम्बन्धित शोधकार्य के लिए गठित मण्डल में चुन लिया गया था और कैप्टन गैरेट के साथ मिलकर उन्होंने द जयपुर ऑब्ज़रवेटरी एण्ड इट्स बिल्डर्स शीर्षक से अंग्रेज़ी ग्रन्थ की रचना की।

जीवन परिचय- मूलतः हिमाचल प्रदेश के गुलेर नामक गाँव के वासी ज्योतिर्विद महामहोपाध्याय पंडित शिवराम शास्त्री राजसम्मान पाकर जयपुर (राजस्थान) में बस गए थे। उनकी तीसरी पत्नी लक्ष्मीदेवी ने सन् 1883 में चन्द्रधर को जन्म दिया। घर में बालक को संस्कृत भाषा, वेद, पुराण आदि के अध्ययन, पूजा-पाठ, संध्या-वंदन तथा धार्मिक कर्मकाण्ड का वातावरण मिला और मेधावी चन्द्रधर ने इन सभी संस्कारों और विद्याओं आत्मसात् किया। जब गुलेरी जी दस वर्ष के ही थे कि इन्होंने एक बार संस्कृत में भाषण देकर भारत धर्म महामंडल के विद्वानों को आश्चर्यचकित कर दिया था। पंडित कीर्तिधर शर्मा गुलेरी का यहाँ तक कहना था कि वे पाँच वर्ष में अंग्रेज़ी का टैलीग्राम अच्छी तरह पढ़ लेते थे। चन्द्रधर ने सभी परीक्षाएँ प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की। चन्द्रधर बी.ए. की परीक्षा में सर्वप्रथम रहे। सन् 1904 ई. में गुलेरी जी मेयो कॉलेज, अजमेर में अध्यापक के रूप में कार्य करने लगे। चन्द्रधर का अध्यापक के रूप में उनका बड़ा मान-सम्मान था। अपने शिष्यों में चन्द्रधर लोकप्रिय तो थे ही, इसके साथ अनुशासन और नियमों का वे सख्ती से अनुपालन करते थे। उनकी असाधारण योग्यता से प्रभावित होकर पंडित मदनमोहन मालवीय ने उन्हें बनारस बुला भेजा और हिन्दू विश्वविद्यालय में प्रोफेसर का पद दिलाया। आगे चलकर उन्होंने अंग्रेज़ी शिक्षा भी प्राप्त की और प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होते रहे। कलकत्ता विश्वविद्यालय से एफ. ए. (प्रथम श्रेणी में द्वितीय) और प्रयाग विश्वविद्यालय से बी. ए. (प्रथम श्रेणी में प्रथम) करने के बाद चाहते हुए भी वे आगे की पढ़ाई परिस्थितिवश जारी न रख पाए, हालाँकि उनके स्वाध्याय और लेखन का क्रम अबाध रूप से चलता रहा। बीस वर्ष की उम्र के पहले ही उन्हें जयपुर की वेधशाला के जीर्णोद्धार तथा उससे सम्बन्धित शोधकार्य के लिए गठित मण्डल में चुन लिया गया था और कैप्टन गैरेट के साथ मिलकर उन्होंने द जयपुर ऑब्ज़रवेटरी एण्ड इट्स बिल्डर्स शीर्षक अँग्रेज़ी ग्रन्थ की रचना की।

अपने अध्ययन काल में ही उन्होंने सन् 1900 में जयपुर में नगरी मंच की स्थापना में योग दिया और सन् 1902 से मासिक पत्र 'समालोचक' के सम्पादन का भार भी सँभाला। प्रसंगवश कुछ वर्ष काशी की नागरी प्रचारिणी सभा के सम्पादक मंडल में भी उन्हें सम्मिलित किया गया। उन्होंने देवी प्रसाद ऐतिहासिक पुस्तकमाला और सूर्य कुमारी पुस्तकमाला का सम्पादन किया और नागरी प्रचारिणी पुस्तकमाला और सूर्य कुमारी पुस्तकमाला का सम्पादन किया और नागरी प्रचारिणी सभा के सभापति भी रहे।

जयपुर के राजपण्डित के कुल में जन्म लेने वाले गुलेरी जी का राजवंशों से घनिष्ठ सम्बन्ध रहा। वे पहले खेतड़ी नरेश जयसिंह के और फिर जयपुर राज्य के सामन्त-पुत्रों के अजमेर के मेयो कॉलेज में अध्ययन के दौरान उनके अभिभावक रहे। सन् 1916 में उन्होंने मेयो कॉलेज में ही संस्कृत विभाग के अध्यक्ष का पद सँभाला। सन् 1920 में पं. मदन मोहन मालवीय के प्रबंध आग्रह के कारण उन्होंने बनारस आकर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्राच्यविद्या विभाग के प्राचार्य और फिर 1922 में प्राचीन इतिहास और धर्म से सम्बद्ध मनीन्द्र चन्द्र नन्दी पीठ के प्रोफेसर का कार्यभार भी ग्रहण किया। इस बीच परिवार में अनेक दुखद घटनाओं के आघात भी उन्हें झेलने पड़े। सन् 1922 में 12 सितम्बर को पीलिया के बाद तेज़ बुख़ार से मात्र 39 वर्ष की आयु में उनका देहावसान हो गया।

इस थोड़ी-सी आयु में ही गुलेरी जी ने अध्ययन और स्वाध्याय के द्वारा हिन्दी और अंग्रेज़ी के अतिरिक्त संस्कृत, प्राकृत, बांग्ला, मराठी आदि का ही नहीं जर्मन तथा फ्रेंच भाषाओं का ज्ञान भी हासिल किया था। उनकी रुचि का क्षेत्र भी बहुत विस्तृत था और धर्म, ज्योतिष, इतिहास, पुरातत्त्व, दर्शन भाषा विज्ञान शिक्षाशास्त्र और साहित्य से लेकर संगीत, चित्रकला, लोककला, विज्ञान और राजनीति तथा समसामयिक सामाजिक स्थिति तथा रीति-नीति तक फैला हुआ था। उनकी अभिरुचि और सोच को गढ़ने में स्पष्ट ही इस विस्तृत पटभूमि का प्रमुख हाथ था और इसका परिचय उनके लेखन की विषयवस्तु और उनके दृष्टिकोण में बराबर मिलता रहता है। पं. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी के साथ एक बहुत बड़ी विडम्बना यह है कि उनके अध्ययन, ज्ञान और रुचि का क्षेत्र हालाँकि बेहद विस्तृत था और उनकी प्रतिभा का प्रसार भी अनेक कृतियों, कृतिरूपों और विधाओं में हुआ था, किन्तु आम हिन्दी पाठक ही नहीं, विद्वानों का एक बड़ा वर्ग भी उन्हें अमर कहानी 'उसने कहा था' के रचनाकार के रूप में ही पहचानता है। इस कहानी की प्रखर चौंध ने उनके बाकी वैविध्य भरे सशक्त कृति संसार को मानो ग्रस लिया है। उनके प्रबल प्रशंसक और प्रखर आलोचक भी अमूमन इसी कहानी को लेकर उलझते रहे हैं। प्राचीन साहित्य, संस्कृति, हिन्दी भाषा समकालीन समाज, राजनीति आदि विषयों से जुड़ी इनकी विद्वता का ज़िक्र यदा-कदा होता रहता है, पर 'कछुआ धरम' और 'मोरेसि मोहि कुठाऊँ' जैसे एक दो निबन्धों और पुरानी हिन्दी जैसी लेखमाला के उल्लेख को छोड़कर उस विद्वता की बानगी आम पाठक तक शायद ही पहुँची हो। व्यापक हिन्दी समाज उनकी प्रकाण्ड विद्वता और सर्जनात्मक प्रतिभा से लगभग अनजान है।

कार्यक्षेत्र- अपने अध्ययन काल में ही उन्होंने सन् 1900 में जयपुर में नगरी मंच की स्थापना में योगदान दिया और सन् 1902 से मासिक पत्र 'समालोचक' के सम्पादन का भार भी सँभाला। प्रसंगवश कुछ वर्ष काशी की नागरी प्रचारिणी सभा के सम्पादक मंडल में भी उन्हें सम्मिलित किया गया। उन्होंने देवी प्रसाद ऐतिहासिक पुस्तकमाला और सूर्य कुमारी पुस्तकमाला का सम्पादन किया और नागरी प्रचारिणी पुस्तकमाला और सूर्य कुमारी पुस्तकमाला का सम्पादन किया और नागरी प्रचारिणी सभा के सभापति भी रहे। जयपुर के राजपण्डित के कुल में जन्म लेने वाले गुलेरी जी का राजवंशों से घनिष्ठ सम्बन्ध रहा। वे पहले खेतड़ी नरेश जयसिंह के और फिर जयपुर राज्य के सामन्त-पुत्रों के अजमेर के मेयो कॉलेज में अध्ययन के दौरान उनके अभिभावक रहे। सन् 1916 में उन्होंने मेयो कॉलेज में ही संस्कृत विभाग के अध्यक्ष का पद सँभाला। सन् 1920 में पं. मदन मोहन मालवीय के प्रबंध आग्रह के कारण उन्होंने बनारस आकर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्राच्यविद्या विभाग के प्राचार्य और फिर 1922 में प्राचीन इतिहास और धर्म से सम्बद्ध मनीन्द्र चन्द्र नन्दी पीठ के प्रोफेसर का कार्यभार भी ग्रहण किया। इस बीच परिवार में अनेक दुखद घटनाओं के आघात भी उन्हें झेलने पड़े।

अकादमिक, शोधपरक लेखन- अपने 39 वर्ष के संक्षिप्त जीवनकाल में गुलेरी जी ने किसी स्वतन्त्र ग्रन्थ की रचना तो नहीं कि किन्तु फुटकर रूप में बहुत लिखा, अनगिनत विषयों पर लिखा और अनेक विधाओं की विशेषताओं और रूपों को समेटते-समंजित करते हुए लिखा। उनके लेखन का एक बड़ा हिस्सा जहाँ विशुद्ध अकादमिक अथवा शोधपरक है, उनकी शास्त्रज्ञता तथा पाण्डित्य का परिचायक है; वहीं, उससे भी बड़ा हिस्सा उनके खुले दिमाग, मानवतावादी दृष्टि और समकालीन समाज, धर्म राजनीति आदि से गहन सरोकार का परिचय देता है। लोक से यह सरोकार उनकी 'पुरानी हिन्दी' जैसी अकादमिक और 'महर्षि च्यवन का रामायण' जैसी शोधपरक रचनाओं तक में दिखाई देता है। इन बातों के अतिरिक्त गुलेरी जी के विचारों की आधुनिकता भी हमसे आज उनके पुराविष्कार की माँग करती है। मात्र 39 वर्ष की जीवन-अवधि को देखते हुए गुलेरी जी के लेखन का परिमाण और उनकी विषय-वस्तु तथा विधाओं का वैविध्य सचमुच विस्मयकर है।

3 साल में इन फंड ने दिया सबसे ज्यादा रिटर्न, क्या आपने किया है इनमें निवेश?

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड ने धीरे-धीरे निवेशकों के पोर्टफोलियो में अपनी जगह बनाई है। ये आकर्षक रिटर्न के चलते निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर है। आज हम ऐसे फंड के बारे में बात करेंगे जिन्होंने पिछले 3 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है।

हालांकि ये जरूरी नहीं है कि ये आगे भी अच्छा रिटर्न दें। कोई भी फंड कितना रिटर्न दे सकता है, ये अलग-अलग बातों पर निर्भर करता है। आइए अब पहले इनकी लिस्ट देख लें।

जभी आप किसी फंड का चयन करें, तो रिटर्न के साथ रिस्क का आकलन भी याद से कर लें। इसके साथ ही एक्सपेंस रेश्यो और एग्जिट चार्ज जैसे फीस भी देख लें।

अगर आप म्यूचुअल फंड में पहली बार निवेश कर रहे हैं, तो कुछ बातों का खास तौर पर ध्यान रखें। नीचे दिए गए सुझाव टाटा एसेट मैनेजमेंट की प्रमुख उत्पाद, शैली गैंग द्वारा दिए गए हैं।

शैली गैंग द्वारा निवेशकों को ये सुझाव दिया है कि उन्हें रिटर्न के पीछे नहीं भागना चाहिए। बल्कि सही एसेट एलोकेशन पर बने रहना चाहिए। अक्सर निवेशक उन एसेट क्लास में निवेश करते हैं, जिन्होंने हाल ही में बेहतर प्रदर्शन किया हो। हालांकि अच्छे रिटर्न के पीछे भागने से आपके पोर्टफोलियो को नुकसान पहुंचता है।

एक अच्छा पोर्टफोलियो वहीं होगा, जिसमें कुछ फंड अच्छा प्रदर्शन कर रिटर्न बढ़ाए और कुछ स्थिर रिटर्न देकर पोर्टफोलियो को कम जोखिम वाला बनाए।

म्यूचुअल फंड के जरिए आप अलग-अलग फंड में निवेश कर सकते हैं। ये अलग-अलग फंड अलग-अलग अवधि पर अच्छा रिटर्न दे सकते हैं। क्योंकि इन सभी का स्वभाव अलग होता है। इसलिए फंड के हिसाब से निवेश अवधि का चयन करें।

शैली गैंग ने निवेशकों को ये सुझाव दिया है कि मुख्य निवेश पोर्टफोलियो बनाने से पहले, अपनी मासिक आय का 9-12 महीने का हिस्सा इमरजेंसी फंड के रूप में रखे। अगर आप ऐसा करते हैं तो इमरजेंसी पड़ने पर आपका पोर्टफोलियो खराब नहीं होगा। ऐसा करने पर आप लंबे समय के लिए पोर्टफोलियो मेंटेन रख पाएंगे।

रॉकेट बनाने के लिए अमेरिकी कंपनी के साथ डील, डिफेंस शेयर को खरीदने की लूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस सेक्टर की कंपनी अपोलो माइक्रो सिस्टम्स के शेयरों में गुरुवार, 11 सितंबर को जोरदार बढ़त देखने को मिली। कंपनी के शेयर आज BSE पर 4% तक चढ़ गए। शेयर ने दिन की शुरुआत 287.30 पर की, जो पिछले बंद मूल्य 282.85 से ऊपर था, और इंट्राडे हाई 294 तक पहुंच गया था। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक डील है। दरअसल, अपोलो माइक्रो सिस्टम्स की सहायक कंपनी द्वारा अमेरिका स्थित फर्मों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की है।

अपोलो माइक्रो सिस्टम्स ने घोषणा की कि उसकी सहायक कंपनी अपोलो स्ट्रैटेजिक टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (जो कि अपोलो डिफेंस इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड की एक स्टेप-डाउन सहायक कंपनी है) ने अमेरिका की डायनेमिक इंजीनियरिंग और डिजाइन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत दोनों कंपनियां रॉकेट मोटर्स के लिए तकनीकी हस्तांतरण, सह-विकास और संभावित लाइसेंस्ड उत्पादन पर काम करेंगी, जिसमें BM-21 Grad ER और नॉन-श्वक्र रॉकेट्स शामिल हैं। यह समझौता DSEI लंदन में हुआ और इसे कंपनी के लिए भविष्य में तकनीकी सहयोग और उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने वाला कदम माना जा रहा है।

22 सितंबर के बाद कार खरीदने का है प्लान? जानें कहां मिल रहा है सबसे सस्ता कार लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 22 सितंबर के बाद जीएसटी रेट में होने वाली कटौती लागू हो जाएगी। जीएसटी रेट में कटौती होने से कार की कीमत भी कम हो जाएगी। वहीं अब फेस्टिव सीजन की शुरुआत होने वाली है, इस समय में लोग अपनी खरीदारी बढ़ा सकते हैं।

अगर आप भी 22 सितंबर के बाद कार खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो ये आर्टिकल आपके लिए है। आज हम जानेंगे कि कौन-सा बैंक कार लोन सबसे सस्ते ब्याज दर पर ऑफर कर रहा है। नीचे दिया गया डेटा हमने बैंक बाजार से लिया है।

इसके अलावा आप होम लोन की तरह कार लोन भी फ्लोटिंग या फिक्स्ड रेट दोनों में किसी एक पर ले सकते हैं। फ्लोटिंग रेट पर कार लोन लेने से आपको रेपो रेट में होने वाली कटौती का फायदा मिल जाता है। अगर रेपो रेट कम होता है, तो इससे फ्लोटिंग दर भी कम हो जाता है। इस तरह से आपकी ईएमआई भी कम हो जाती है।

एक अच्छा क्रेडिट स्कोर भी ईएमआई कम करने में मदद कर सकता है। बैंक हमेशा ऐसे लोगों को लोन देना पसंद करता है, जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा है। क्रेडिट स्कोर के जरिए बैंक उधारकर्ता की लोन चुकाने की क्षमता देखता है। इसलिए अच्छा क्रेडिट स्कोर लोन की ईएमआई कम करने में मदद कर सकता है।

ऐसे बैंक का चयन करें जो कम से कम ब्याज में लोन ऑफर कर रहा हो। ब्याज दर कम होने से ईएमआई भी कम हो जाती है। इसके साथ ही अगर आप डाउनपेमेंट बढ़ा देते हैं, तो लोन अमाउंट कम हो जाता है. इस तरह से ईएमआई भी कम हो जाता है।

52 वीक लो का डबल हो गया यह एनर्जी शेयर, 6 महीने में ही बदली निवेशकों की किस्मत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनर्जी कंपनी- वारी एनर्जीज के शेयर में गुरुवार को तूफानी तेजी देखी गई और यह एक साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। सप्ताह के चौथे दिन बीएसई पर यह शेयर उछलकर 3749.70 रुपये के स्तर तक जा पहुंचा। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी है। शेयर अपने 52 हफ्ते के लो 1,808.65 से डबल हो चुका है। शेयर के 52 हफ्ते का लो अप्रैल महीने में था। कहने का मतलब है कि छह महीने की अवधि के दौरान होल्ड रखने वाले निवेशकों का पैसा डबल हो गया होगा। बता दें कि शेयर गुरुवार को लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ कारोबार कर रहा था।

भारत की सबसे बड़ी सोलर पीवी (फोटोवोल्टिक) मॉड्यूल निर्माता कंपनी वारी एनर्जीज ने 28 अक्टूबर, 2024 को शेयर बाजार में एंट्री ली। वर्तमान में यह शेयर अपने इश्यू प्राइस प्रति शेयर से 140 प्रतिशत अधिक पर कारोबार कर रहा है।

अप्रैल से जून 2025 तिमाही (वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही) में वारी एनर्जीज ने मजबूत परिचालन फोकस के दम पर 2.3 गीगावाट का अपना अब तक का सर्वोच्च तिमाही मॉड्यूल उत्पादन हासिल किया। वहीं, कंपनी ने 4597 करोड़ का तिमाही राजस्व दर्ज किया, जो साल-दर-साल 31.48 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है।

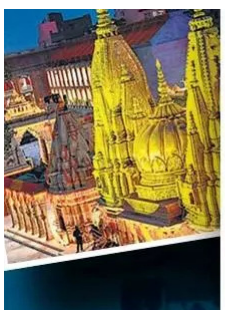

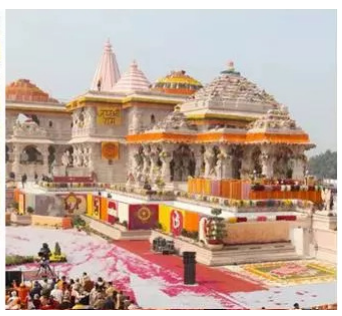

पूजा-पाठ करवाकर करोड़ों की कमाई कर रहे ये स्टार्टअप्स; घर बैठे-बैठे करा देते हैं काशी से लेकर कामाख्या के दर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज के समय में हर चीज डिजिटलाइज हो चुकी है। कुछ मंगाने से लेकर कुछ करने तक सब कुछ ऑनलाइन होता जा रहा है। अब तो ऑनलाइन पूजा-पाठ भी हो रहे हैं। आप घर बैठे-बैठे वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर मां कामाख्या और जगन्नाथ पुरी तक के दर्शन कर सकते हैं। भारत में ऐसे कई स्टार्टअप्स हैं, जो घर बैठे भारत के विभिन्न मंदिरों में पूजा और चढ़ावा की सर्विस देते हैं। आप इन स्टार्टअप्स के जरिए उज्जैन में महाकाल की पूजा से लेकर अयोध्या में प्रभु श्रीराम की पूजा कर सकते हैं।

अगर आप भी घर बैठे भारत के प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिरों में चढ़ावा चढ़ाना चाहते हैं तो आप इन ऐप्स के जरिए चढ़ावा बुक कर सकते हैं। लेकिन अब सवाल यह है कि वो कौन-कौन से स्टार्टअप्स हैं जिनके जरिए आप चढ़ावा चढ़ा सकते हैं। पूजा सर्विस देकर ये स्टार्टअप अरबों रुपये की कमाई कर रहे हैं। वैसे तो भारत में कई ऐसी कंपनियां है जो देश के विभिन्न मंदिरों के लिए भक्तों को चढ़ावा सर्विस देती है। लेकिन हम उनमें से कुछ प्रमुख कंपनियों के बारे में जानेंगे।

कई देशों में सर्विस देते हैं ये स्टार्टअप्स- इनमें से कुछ स्टार्टअप्स तो भारत समेत दुनिया के कई देशों में ऑपरेट करते हैं। जैसे Apps For Bharat ·¤æ Sri Mandir भारत समेत दुनिया के 30 से अधिक देशों में चढ़ावा सर्विस उपलब्ध कराता है। इसके 30 मिलियन से अधिक यूजर हैं। अब तक इस स्टार्टअप ने 3 मिलियन से अधिक लोगों को सर्विस दे चुका है।

24 पैसे से 27 रुपये के पार पहुंचा यह छोटकू शेयर, 1 लाख रुपये के बना दिए 1 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक समय पेनी स्टॉक रहे शुक्र फार्मास्युटिकल्स के शेयर गुरुवार को क्च्स्थ्र में 2 पर्सेंट की तेजी के साथ 27.78 रुपये पर पहुंच गए हैं। शुक्र फार्मास्युटिकल्स ने वॉकहार्ट लिमिटेड के साथ देश भर के लिए स्ट्रैटेजिक डिस्ट्रीब्यूशन साझेदारी की घोषणा की है। फार्मा कंपनी के शेयर पिछले एक महीने में 51 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। वहीं, पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों में 333 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। पिछले पांच साल में शुक्र फार्मास्युटिकल्स के शेयर 11,475 पर्सेंट उछल गए हैं।

शुक्र फार्मास्युटिकल्स के शेयरों ने 5 साल में अपने शेयरधारकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयर 10 सितंबर 2020 को 24 पैसे पर थे। कंपनी के शेयर 11 सितंबर 2025 को 27.78 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मध्य प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में महीने में पांच बार ही होगी बिजली कटौती

भोपाल। मध्य प्रदेश के सभी औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली कटौती के कारण कोई व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए अब एक माह में अधिकतम पांच बार या फिर पांच घंटे ही बिजली कटौती की जा सकेगी। इसको लेकर मध्य प्रदेश विद्युत विनियामक आयोग ने औद्योगिक क्षेत्र और 11 केवी फीडर में बिजली कटौती की संख्या व घंटे के मानक तय किए हैं। इसमें संभाग मुख्यालय, जिला मुख्यालय और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए अलग-अलग मापदंड हैं।

संभाग मुख्यालय और जिला मुख्यालयों में महीने में 25 बार और अधिकतम 15 घंटे तक कटौती तय की गई है। तय मानकों के अनुसार वर्ष 2026-27 तक यह प्रयास किए जा रहे हैं कि बड़े शहरों में उपभोक्ताओं को सालभर में 90 बार ही कटौती की समस्या से रूबरू होना पड़े, वह भी सिर्फ 60 घंटे से ज्यादा नहीं।

बता दें कि आयोग ने वर्ष 2012 में पहली बार वितरण प्रदर्शन मानक तय किए थे। इसमें वर्ष 2021 में संशोधन किया गया था। अब एक बार फिर आयोग ने बिजली कटौती के मानक नए सिरे से तय कर दिए हैं, जिसका पालन करने के निर्देश बिजली कंपनियों को दिए हैं। बिजली कंपनियों को तय मानकों को पूरा करने के लिए अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की भी अनुशंसा की गई है।

आयोग ने निर्देश दिए हैं कि बिजली कंपनियां इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करें, तकनीक और प्रशिक्षित मानव संसाधन का उपयोग करें, ताकि तय मानकों को हासिल किया जा सके। आवश्यकता पड़ने पर पूंजीगत व्यय प्रस्ताव आयोग के पास अनुमोदन के लिए भेजे जाएं।

प्रदेश के एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के लिए आयोग ने तीन साल का रोडमैप तय किया है। इसके मुताबिक वर्ष 2024-25 के लिए अधिकतम बिजली कटौती 120 बार और 90 घंटे तय है। इसे साल 2025-26 तक साल में अधिकतम 90 बार और 60 घंटे तक समिति करने का लक्ष्य दिया गया है।

हालांकि बिजली कंपनियों को प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़, तूफान या फिर ऐसे कारण जिनके लिए आयोग की अनुमति लेना पड़े और वितरण व्यवस्था फेल हो जाए, में इन निर्धारित मानकों से छूट दी गई है।

शहडोल में 250 फर्जी रजिस्ट्री मामले की जांच के दौरान पांच सर्विस प्रोवाइडर के लाइसेंस सस्पेंड

शहडोल। संभागीय मुख्यालय के सुहागपुर उप पंजीयन के द्वारा अपनी सेवानिवृत्ति की आखिरी दिन 28 अगस्त को गलत तरीके से की गई रजिस्ट्री की जांच मामले में पांच सर्विस प्रोवाइडर के लाइसेंस निलंबित किए गए। जांच के दौरान 250 से अधिक ऐसी रजिस्ट्री मिली है जो बिना अनुमति या गलत तरीके से कराई गई हैं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कार्रवाई की है और अभी मामले की आगे जांच भीचल रही है।

28 अगस्त को ही इस मामले की कलेक्टर की यहां शिकायत की गई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि उप पंजीयक ने पैसे लेकर गलत तरीके से बिना अनुमति रजिस्ट्री की है। उसके बाद कलेक्टर ने एक जांच टीम का गठन किया था और उसकी पहली रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की शुरुआत की गई है।जिले में भू माफियाओं और अवैध रजिस्ट्री कराने वाले सर्विस प्रोवाइडरों पर जिला प्रशासन ने पहली बार कार्रवाई की है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. केदार सिंह ने ज़मीन की रजिस्ट्री में फर्जीवाड़ा, प्रतिबंधित भूमि की खरीद-बिक्री और मृत व्यक्तियों की जगह दूसरे लोगों को खड़ा कर रजिस्ट्री कराने जैसे घोटालों में संलिप्त पाए गए ई-पंजीयन सर्विस प्रोवाइडरों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई 10 सितंबर को देर शाम को की गई है।

जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि जिले में राजस्व प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन होने, पावर आफ अटार्नी निरस्त होने, प्रतिबंधित भूमि या मृतक की जमीन बेचने जैसी अवैधानिक रजिस्ट्रियों के गंभीर प्रमाण सामने आए हैं। इन घोटालों में कई बार ग्राम पंचायतों, दलालों और सर्विस प्रोवाइडरों की मिलीभगत भी उजागर हुई है।

मोहम्मद सैफ अंसारी पर कार्रवाई की गई है। इसके ऊपर आरोप है कि मृतक भोलानाथ अहिरवार की जगह समान शक्ल के व्यक्ति को खड़ा कर दस्तावेज तैयार कराकर रजिस्ट्री कराई है। अभिषेक कुमार गुप्ता ने ग्राम हड़हा, तहसील बुढ़ार की खसरा नंबर 42 से 58 तक की रजिस्ट्री उच्च न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन होने के बावजूद रजिस्ट्री करा दिया। साथ ही, ग्राम बुढ़ार और ग्राम कंचनपुर की जमीनों की रजिस्ट्री कलेक्टर की अनुमति और पावर ऑफ निरस्त होने के बावजूद रजिस्ट्री कराया। गंगा सागर सिंह ने ग्राम बुढ़ार और ग्राम कंचनपुर की प्रतिबंधित भूमि का अवैध पंजीयन कराया। प्रीति शुक्ला ने ग्राम सोहागपुर वार्ड नं. 17 में मुख्तियारनामा न होने के बावजूद विक्रय पत्र तैयार कर रजिस्ट्री करा दिया। स्वरूप सरकार ने ग्राम वासिन वीरान पचगांव (विशिष्ट ग्राम) की भूमि का अवैधानिक पंजीयन कराया है।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने इन पांचो पर कार्रवाई करते हुए अपने आदेश में कहा है कि इस तरह की घटनाएं न केवल मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 और अन्य कानूनी प्रावधानों का खुला उल्लंघन हैं, बल्कि ये किसानों और भोली-भाली जनता की जमीन हड़पने की साजिश का हिस्सा हैं।

किसान के 50,000 रुपये, बाइक डिक्की से दिनदहाड़े हुए चोरी, बैंक से पैसा निकालकर फोटो कॉपी कराने गया था

शहडोल। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के भीड़ भाड़ वाले एरिया में खड़ी मोटरसाइकिल की डिग्गी से 50 हजार नगद पार हो है। किसान बैंक से पैसा निकाल कर रास्ते में स्थित एक दुकान में फोटो कॉपी करा रहा था, तभी पैसा पर हो गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। घटना चौपाटी के पास हुई है। पीड़ित विजय सिंह पिता मोलन सिंह 45 वर्ष, निवासी ग्राम तरेरा (पुलिस चौकी सरई, थाना करन पठार, जिला अनूपपुर) ने पुलिस को रिपोर्ट कर बताया कि वह खेती किसानी के साथ किराना दुकान भी संचालित करता है। 10 सितम्बर को उसने पंजाब नेशनल बैंक शाखा शहडोल से चेक के माध्यम से 50 हजार रुपये निकाले और रकम को मोटरसाइकिल की डिग्गी में रखकर मैरीना टाइपिंग सेंटर के सामने वाहन खड़ा कर फोटो कापी कराने चला गया।

20 मिनट बाद वह जब वापस अपने बाइक के पास पहुंचा तो, मोटर साइकल की डिग्गी खुली हुई थी। उसमें रखी रकम 50 हजार रुपये की नकदी के साथ आधार कार्ड, एवं अन्य जरूरी दस्तावेज से भरी पन्नी गायब थी।

इसके बाद उसने आसपास के दुकानदारों को घटना की जानकारी दी और सभी ने जब आसपास देखा तो चोर फरार हो चुका था।

इसके बाद मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी गई, मौके पर पहुंची पुलिस ने विवेचना शुरू की और पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

विधायक संजय पाठक के वकील अंशुमान सिंह ने खुद को किया अलग

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा द्वारा विधायक संजय पाठक द्वारा फोन किए जाने के बाद खुद को उस मामले से अलग किए जाने के बाद नया मोड आया है। अब पाठक के वकील अंशुमान सिंह ने भी खुद को केस से अलग कर लिया है। उन्होंने साफ किया है कि मैंने कोर्ट को लिखा है कि आनंद माइनिंग कॉर्पोरेशन और निर्मला मिनरल्स, जिन दो कंपनियों के केस की मैं पैरवी कर रहा था, उनके किसी रिलेटिव ने जस्टिस मिश्रा को कॉल किया। इस बात का जस्टिस मिश्रा ने एक सितंबर के आदेश में जिक्र किया। इसकी वजह से मैं ये केस छोड़ रहा हूं और मैंने इस बारे में अपने क्लाइंट को बता दिया है। अधिवक्ता सिंह ने यह भी कहा कि उन्हें नहीं पता कि जिन दो कंपनियों की वो पैरवी कर रहे थे, उसमें विधायक संजय पाठक का कितना शेयर है।

मध्य प्रदेश में फार्मेसी में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी तरह होगी ऑनलाइन

भोपाल। फार्मेसी की डिग्री और डिप्लोमा पाठ्यक्रम के पंजीयन प्रमाण पत्र मेल और डिजिलॉकर के माध्यम से उपलब्ध होंगे। पंजीयन के लिए आने वाले आवेदनों में लगभग 50 प्रतिशत अपूर्ण होते हैं। इस कारण उनका पंजीयन नहीं हो पाता। इन्हें पूरा कराना जरूरी है। यह बात उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भोपाल में मध्य प्रदेश स्टेट फार्मेसी परिषद की बैठक कही।

उन्होंने कहा, निजी विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों की जिम्मेदारी है कि वे सभी विद्यार्थियों की सही जानकारी उपलब्ध कराएं। यदि गलती छात्रों की है तो उन्हें सुधार के लिए सूचित किया जाए और यदि संस्थान की लापरवाही है तो मान्यता एवं संबद्धता पर कार्रवाई करें। पंजीयन की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन ही की जाए।

5800 आवेदन लंबित हैं- बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जून से अगस्त 2025 तक 3500 से अधिक नए पंजीयन किए गए हैं। 5800 आवेदन लंबित हैं, जिसमें 1650 आवेदन निजी विश्वविद्यालयों की सूची उपलब्ध न होने के कारण शेष हैं। पंजीयन का पूरा काम अब डिजिटल मोड में स्थानांतरित कर दिया गया है।

पीएम मित्रा पार्क से टेक्सटाइल सेक्टर में मध्यप्रदेश को मिलेगा नया आयाम : मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में उत्पादित आर्गेनिक कॉटन की मांग अनेक देशों में है। प्रदेश टेक्सटाइल का हब बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में 7 पीएम मित्रा पार्क स्वीकृत किये, उसमें से पहले पीएम मित्रा पार्क का भूमि-पूजन करने प्रधानमंत्री श्री मोदी 17 सितम्बर को धार जिले में आ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों का आहवान किया कि वे मध्यप्रदेश आये, राज्य सरकार निवेशकों को पीएम मित्रा पार्क में हर संभव सहायता और सुविधा उपलब्ध करवायेगी। धार का पीएम मित्रा पार्क भारत के औद्योगिक विकास की यात्रा में महत्वपूर्ण आयाम जोड़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को कोलकाता के.जे. डब्ल्यू मैरियट होटल में निवेश संभावनाओं पर इंटरैक्टिव सेशन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों के इंटरैक्टिव सेशन में मध्यप्रदेश को निवेश और औद्योगिक विकास के लिए सबसे भरोसेमंद और अवसरों से भरा राज्य बताया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति, देश के मध्य में स्थित होने के कारण उत्तम कनेक्टिविटी, विश्वस्तरीय आधारभूत ढांचा और औद्योगिक शांति इसे उद्योगपतियों के लिए आदर्श निवेश स्थल बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पार्क राज्य के टेक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर को वैश्विक मानकों तक पहुंचाने के साथ रोजगार और आर्थिक विकास में नए आयाम खोलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश की शुद्ध और ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादन क्षमता इसे टेक्सटाइल निवेश के लिए विशेष बनाती है। पीएम मित्रा पार्क के माध्यम से राज्य में उत्पादन और प्रोसेसिंग के उच्च मानक स्थापित होंगे, जिससे निवेशकों को लाभ के साथ रोजगार के अवसर भी सुनिश्चित होंगे। उन्होंने उद्योगपतियों को भरोसा दिलाया कि राज्य में निवेश स्थिर, पारदर्शी और सुरक्षित वातावरण में किया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों का आहवान किया कि आइये हम संकल्प लें कि स्वदेशी अपनायेंगे, हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेंगे और प्रधानमंत्री श्री मोदी के मेक इन इंडिया और विकसित भारत के संकल्प को पूरी शक्ति के साथ साकार करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कोलकाता की समृद्ध सांस्कृतिक और बौद्धिक परंपरा का सम्मान करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और रवींद्रनाथ टैगोर जैसे महापुरुषों ने देश को नई दिशा दी।

उन्होंने कहा कि यह प्रेरक इतिहास और बौद्धिक परंपरा उद्योग जगत के लिए प्रेरक है और मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास और निवेश के दृष्टिकोण से साथ जुड़ती है। मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों से कहा कि कोलकाता जैसे ऐतिहासिक और बौद्धिक केंद्र से संवाद करना राज्य में निवेश के लिए उत्साह और नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि राज्य में विकसित औद्योगिक कॉरिडोर, लॉजिस्टिक हब और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर निवेशकों को मजबूत प्रतिस्पर्धी लाभ देते हैं। सड़क, रेल और हवाई नेटवर्क के माध्यम से पूरे देश में उत्पाद और सेवाओं की आपूर्ति सरल और त्वरित रूप से की जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेशकों को सरल प्रक्रियाओं, सुलभ नीतियों और सक्रिय सरकारी सहयोग के माध्यम से व्यवसाय का विस्तार करने का पूर्ण अवसर मिलता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की निवेश नीतियों पर जोर देते हुए कहा कि राज्य में उद्योगपतियों को हर प्रकार की सुविधा, सुगमता और सुरक्षा प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य में औद्योगिक शांति सुनिश्चित है और किसी प्रकार की हड़ताल या व्यवधान के कारण निवेश प्रभावित नहीं होता। उन्होंने उद्योग जगत को भरोसा दिलाया कि मध्यप्रदेश में फैक्ट्री लगाना और संचालन करना सहज है, और राज्य के मध्य में होने के कारण पूरे देश में अपने उत्पाद और सेवाओं की आपूर्ति आसानी से की जा सकती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों को बताया कि पीएम मित्रा पार्क के माध्यम से टेक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर में राज्य की औद्योगिक क्षमता और रोजगार सृजन को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार की नीतियों का उद्देश्य किसानों, उद्योगपतियों और युवाओं को समान रूप से लाभ पहुंचाना है। राज्य में किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य और प्रोसेसिंग का सही अवसर मिलता है, उद्योगपतियों को व्यवसाय विस्तार की सुविधा है और युवाओं को रोजगार के अवसर सुनिश्चित किए जाते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग जगत को आमंत्रित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश केवल व्यावसायिक विस्तार नहीं है, बल्कि सतत विकास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भागीदारी का अवसर है।

देश के पहले पीएम टेक्सटाईल पार्क का प्रधानमंत्री श्री मोदी करेंगे भूमिपूजन

इंदौर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 17 सितम्बर को बदनावर के भैंसोला में देश के पहले टेक्सटाइल पार्क की आधारशिला रखेंगे। यह पार्क मालवा और निमाड़ की साझी बुनियाद पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहा है। इस पार्क में जो वस्त्र परिधान बनेंगे वो मालवा की अधोसंरचना और निमाड़ के कॉटन व श्रम के साझे सहयोग से निर्मित होंगे। यह पार्क किसानों के साथ ही युवाओं, महिलाओं और श्रमिकों के लिए रोजगार के नए अवसर भी बनाएगी। प्रदेश के रोजगार क्षेत्र में इस तरह यह एक अनोखा उद्योग होगा, जिसमें प्रत्यक्ष रूप से दो लाख रोजगार सर्जित होंगे। इस पार्क की खासियत यह भी है कि यहाँ फार्म से फाइबर और फैशन से फैक्टरी फिर फॉरेन की अवधारणा को पूरा करने की शुरुआत शासन द्वारा लगभग 2 वर्ष से प्रारम्भ की गई है। इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जुलाई में दुबई व स्पेन फिर अगस्त में लुधियाना और अब कोलकाता में निवेशकों को साथ संपर्क कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बड़ी अहम कड़ी साबित होगी। पीएम मित्रा पार्क की बदनावर से देश व प्रदेश के अन्य क्षेत्रों से बेहतर कनेक्टिविटी में है।

शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग की घटना किसी भी हालत में नहीं हो- कलेक्टर

एंटी रैगिंग समिति के सदस्य श्री महेंद्र सोनगिरा सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिये कि हॉस्टल, कैंटीन तथा अन्य स्थानों पर सतत निगरानी की व्यवस्था रखी जाये। श्री वर्मा ने निर्देश दिए की सभी जूनियर और सीनियर छात्रों के बीच नियमित रूप से स्वस्थ संवाद और संपर्क बनाए रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने सभी उच्च शैक्षणिक संस्थानों में सीनियर और जूनियर छात्रों की कमेटी भी बनाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी हॉस्टल्स और अन्य स्थानों पर प्रकाश, शौचालय, पेयजल आदि की मूलभूत सुविधाएं भी सुनिश्चित की जाए। हॉस्टल के बच्चों के स्वास्थ्य पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। हॉस्टल में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखा जाए।

बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्णय के परिपालन में यू.जी.सी. द्वारा जारी एंटी रैगिंग के निर्देशों का पालन कराया जाये। संस्थान में वरिष्ठ छात्र-छात्राओं द्वारा कनिष्ठ छात्र-छात्राओं के साथ किसी भी प्रकार की रैगिंग संबंधी घटनाएं न हों, इस पर संस्थान प्रमुख का यह विशेष दायित्व है कि वह इस संबंध में विशेष सतर्कता रखें एवं निरन्तर समीक्षा करें।

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज यहां जिला स्तरीय एंटी रैगिंग समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गई। इस बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए हैं कि जिले के समस्त शैक्षणिक संस्थानों में ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे कि रैगिंग की घटना किसी भी हालत में नहीं हो। सभी शैक्षणिक संस्थान अपने यहां अध्ययन का अनुकूल वातावरण बनाए रखें।

बैठक में एडीएम श्री रोशन राय, कलेक्टर कार्यालय में उच्च शिक्षा के नोडल अधिकारी डॉ. एम.डी. सोमानी, जिला स्तरीय

अनंत चतुर्दशी पर गणेश विसर्जन चल समारोह में मालवा मिल की गंगा पार केवट की नाव की झांकी के द्वितीय पुरस्कार आने पर श्री पटेल का आभार माना

इंदौर। अनंत चतुर्दशी के पावन पर्व पर इंदौर शहर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य गणेश विसर्जन चल समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों द्वारा अनेक झांकियां प्रस्तुत की गईं, जिनमें से मालवा मिल क्षेत्र की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस झांकी में भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण जी को केवट द्वारा नाव से गंगा पार कराते हुए दर्शाया गया, जो श्रद्धालुओं को भावविभोर कर गया। यह झांकी श्री गीता रामेश्वर ट्रस्ट, बिचोली मरदाना, इंदौर के तत्वावधान में तैयार की गई थी, जिसका संयोजन पूर्व विधायक व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव सत्यनारायण पटेल तथा राधेश्याम पटेल द्वारा किया गया।

झांकी का मुख्य संदेश था कि कभी-कभी भगवान को भी भक्तों की आवश्यकता होती है, जिसे केवट और निषादराज के ऐतिहासिक प्रसंग के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। जिला प्रशासन द्वारा इस झांकी को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया।

मध्य प्रदेश निषाद वंशी केवट-माझी जनजाति समाज ने इस ऐतिहासिक प्रसंग को प्रदर्शित करने वाली झांकी के निर्माण हेतु श्री गीता रामेश्वर ट्रस्ट, सत्यनारायण पटेल, राधेश्याम पटेल एवं मदन परमालिया का हृदय से आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के धार आगमन पर स्वास्थ्य गतिविधियों की तैयारी की उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने की समीक्षा

इंदौर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित धार आगमन पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल में प्रदेश में स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि सभी कार्य योजनाबद्ध रूप से किए जाएँ ताकि विशेष स्वास्थ्य सेवाओं से अधिक से अधिक लक्षित समूह लाभान्वित हो सके। उन्होंने आगामी 17 सितंबर से स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान÷ पखवाड़े को सुव्यवस्थित रूप से आयोजित कर अधिक से अधिक नागरिकों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अभियान की सतत मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जाये। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में मेडिकल टीचर्स की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सेवा शर्तों, मानदेय और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण राठी, मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना और सीईओ आयुष्मान मध्यप्रदेश डॉ. योगेश भरसट उपस्थित थे।

इंदौर में बनेगा प्रदेश का पहला ऑक्सीजन गार्डन– प्रचुर ऑक्सीजन देने वाले लगेंगे एक लाख पौधे

इंदौर। इंदौर के कनाड़िया क्षेत्र में प्रदेश का पहला ऑक्सीजन गार्डन बनेगा। इस गार्डन में प्रचुर ऑक्सीजन देने वाले एक लाख पौधें लगाये जायेंगे। पौधें लगाये जाने की शुरूआत 14 सितम्बर को मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा की जायेगी। इस अवसर पर विशाल कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम की व्यापक तैयारियों प्रारंभ हो गई है। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज कार्यक्रम स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम के जन कार्य समिति के सभापति श्री राजेन्द्र राठौर, अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया, अपर कलेक्टर श्री रिंकेश वैश्य, अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, इंदौर जनपद अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिसोदिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

शासकीय संभागीय आईटीआई नंदानगर में 12 सितंबर को प्लेसमेंट/अप्रेंटिसशिप ड्राइव का आयोजन

इंदौर। शासकीय संभागीय आईटीआई नंदानगर में 12 सितंबर को प्रातः 10-30 बजे से प्लेसमेंट/अप्रेंटिसशिप ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। इस प्लेसमेंट/अप्रेंटिसशिप ड्राइव में सुजुकी मोटर गुजरात प्रायवेट लिमिटेड गुजरात के लिये आईटीआई उत्तीर्ण बेरोजगार केवल पुरूष उम्मीदवारों का चयन करेगी। रोजगार प्रशिक्षण के लिए 250 पद उपलब्ध हैं। यह जानकारी देते हुए शासकीय संभागीय आईटीआई नंदानगर के प्राचार्य ने बताया कि इस प्लेसमेंट/अप्रेंटिसशिप ड्राइव में आईटीआई विभिन्न ट्रेड जैसे फीटर , डीजल मैकेनिक, मोटर मैकेनिक, टर्नर, मैकेनिस्ट, वेल्डर, इलेक्ट्रिशियन, टूल एण्ड डाई मेकर, प्लास्टिक प्रोसेसिंग ऑपरेटर, ट्रेक्टर मैकेनिक, पैंटर जनरल, इलेक्ट्रॉनिक्स, वायरमैन, सीट मेटल ट्रेड से उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सिंहस्थ- 2028 के निर्माण कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण करने के साथ ही शासन की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का सुचारू रूप से क्रियान्वयन करना

उज्जैन। नवागत संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने गुरुवार 11 सितंबर को देवालयों के दर्शन,पूजन अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही उन्होंने मोक्षदायिनी माँ क्षिप्रा नदी को नमन किया। इसके बाद संभागायुक्त श्री सिंह ने संभागायुक्त के पद का पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के पूर्व कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा तथा मीडिया के प्रतिनिधियों ने संभागायुक्त श्री सिंह का आत्मीय स्वागत किया।

मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि आगामी सिंहस्थ-2028 में स्वीकृत किये गये निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के साथ ही शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन संभाग के सभी जिलों में सर्वोच्च प्राथमिकता रहेंगी। नवागत आयुक्त श्री सिंह ने कहा कि सिंहस्थ मेंला अधिकारी के साथ संभागायुक्त का महत्वपूर्ण दायित्व चुनौती के रूप में बड़ा अवसर है। सिंहस्थ से संबंधित 20 हजार करोड़ से अधिक की राशि के निर्माण कार्य चल रहे, यहा सभी कार्य समय पर और गुणवत्ता के साथ पूर्ण हो इसके लिए मीडिया और जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया जाएगा । उज्जैन के अलावा श्री ओमकारेश्वर मंदिर पर भी श्रद्धालुओं का दबाव रहेगा इसे देखकर कार्ययोजना बनाई जा रही है।

नवागत संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने पदभार ग्रहण करने के पूर्व देवालयों में सर्वप्रथम श्री चिंतामण गणेश, भूखीमाता, श्री कालभैरव, श्री सिद्धवट, श्री मंगलनाथ, श्री हरसिद्धि? तथा अन्त में भगवान श्री महाकाल के दर्शन कर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर संभागायुक्त का श्री मंगलनाथ मन्दिर के महन्त श्री राजेन्द्र भारती ने भगवान श्री मंगलनाथ की तस्वीर, दुपट्टा, प्रसाद भेंट कर सम्मानित किया। श्री महाकालेश्वर मन्दिर में संभागायुक्त श्री सिंह का सहायक प्रशासन श्री मूलचन्द जुनवाल ने प्रसाद, दुसाला भेट कर सम्मानित किया। देवदर्शन के दौरान संभागायुक्त के साथ संयुक्त आयुक्त श्री आर. के. वर्मा, एसडीएम श्री पवन बारिया, एसडीएम श्रीमती कृतिका भीमावत उपस्थित थे। संभागायुक्त का उज्जैन आगमन के पूर्व तपोभूमि पर प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वागत किया।

अनुशासन जुनून लक्ष्य के प्रति समर्पण खिलाड़ियों के श्रृंगार हैं- आयुक्त नगर निगम अभिषेक मिश्रा

उज्जैन। कड़ी मेहनत, अनुशासन, जुनून, लक्ष्य के प्रति समर्पण, खिलाड़ियों के श्रृंगार है। मेहनत को पसीने की चाशनी में डुबोकर कुंदन सा महकाने वाले खिलाड़ी ही सफलता के शिखर पर परचम फहराते हैं। किसी भी खेल का कोच अपने खिलाड़ी को कड़ी मेहनत, तकनीक कौशल के द्वारा करवा कर विश्व स्तर का बना सकता है। स्वस्थ संसार व्यायाम केंद्र आयरन गेम्स, बॉडीबिल्डिंग, पावरलिफ्टिंग, वेट लिफ्टिंग आर्म स्लिंग खेल का हब बन चुका है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रदत्त 20 लाख रुपए के नवीन आधुनिक उपकरण से खिलाड़ियों एवं व्यायाम प्रेमियों की गुणवत्ता में हिज़ाफा होगा। उक्त खेल उदगार स्वस्थ संसार व्यायाम केंद्र के अवलोकन एवं खिलाड़ी सम्मान अवसर पर नगर निगम आयुक्त आईएएस अधिकारी अभिषेक मिश्रा ने खिलाडियों का उत्साह वर्धन करते हुए व्यक्त किये। अध्यक्षता संस्था के चेयर मेन प्रेमसिंह यादव ने की। स्वस्थ संसार जिम के 25 वर्षीय इतिहास की जानकारी पूर्व मिस्टर इंडिया जितेंद्र कुशवाह ने प्रदान की। सूत्रधार स्वामी मुस्कुराके शैलेंद्र व्यास थे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय एशियाई स्तर पर पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ी मयंक जोशी (पावरलिफ्टिंग), अजय आंजना (पंजा कुश्ती), अफराज खान (बॉडीबिल्डिंग) का विशिष्ट खेल अभिनंदन किया गया। आयुक्त अभिषेक मिश्रा का मालवी पगड़ी मोमेंटो, शाल, श्रीफल से अभिनंदन जय सिंह यादव, कमल नंदवाना, आकाश सिंह परिहार एवं सुजल बामनिया ने किया।

हिंदी दिवस पर लगेगा 6वाँ कहानी मेला, 21 सितम्बर को होगा फाइनल

उज्जैन। हिंदी दिवस पर 6वाँ कहानी मेला लगेगा। 21 सितम्बर को फाइनल आयोजन होगा।

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में इस बार कहानी मेला का आयोजन अपने 6वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। निरंतर छह वर्षों से चल रही इस परंपरा ने अब शहर ही नहीं बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी एक अलग पहचान बना ली है। आयोजन समिति के अनुसार इस बार भी प्रतिभागियों को अपनी कहानी सुनाते हुए वीडियो भेजना होगा। प्रविष्टियाँ भेजने की अंतिम तिथि 17 सितम्बर निर्धारित की गई है। प्राप्त वीडियो प्रविष्टियों में से चयनित प्रतिभागियों को 21 सितम्बर को मंच पर अपनी कहानी सुनाने का अवसर मिलेगा। कहानी मेला विभिन्न आयु वर्ग 3 से 5, 6 से 10, 11 से 15 वर्ष में आयोजित किया जा रहा है।

राठौर समाज ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक 14 सितंबर को

उज्जैन । समाज सेवा, संगठन और भाईचारे को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्री राठौर क्षत्रिय तेली समाज ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक रविवार, 14 सितंबर 2025, दोपहर 3 बजे राठौर समाज धर्मशाला, कार्तिक चौक, उज्जैन पर आयोजित की जाएगी। ट्रस्ट सचिव धर्मेन्द्र मगरवा एवं सहसंयोजक गोपाल राठौर ने बताया कि बैठक में आगामी 25 दिसंबर 2025 को प्रस्तावित अखिल भारतीय स्तर के राठौर समाज युवक-युवती परिचय सम्मेलन की तैयारी हेतु विभिन्न समितियों का गठन कर उनके संयोजकों की नियुक्ति की जाएगी । उन्होंने बताया कि आयोजन समिति, पंजीकरण समिति, प्रचार-प्रसार समिति, आर्थिक समिति, सांस्कृतिक समिति, आवास एवं भोजन समिति तथा स्वास्थ्य एवं सुरक्षा समिति सहित प्रमुख समितियों का गठन कर सम्मेलन को भव्य रूप से संपन्न कराया जाएगा। साथ ही 26 अक्टूबर 2025 को आयोजित होने वाले अन्नकूट महोत्सव हेतु भी संयोजकों की नियुक्ति की जाएगी। बैठक में युवा संगठन, महिला संगठन तथा नगरसभा अध्यक्ष का पुनर्गठन कर नए नामों का सर्वसम्मति से चयन किया जाएगा। राठौर समाज ट्रस्ट ने सभी समाजबंधुओं से आग्रह किया है कि वे सक्रिय भागीदारी निभाएँ और संगठन की विभिन्न गतिविधियों में सहयोग करें। इच्छुक व्यक्ति परिचय सम्मेलन संयोजक आशीष राठौर या अन्य पदाधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं। यह बैठक समाज के युवाओं को जोड़ने और संगठन को सशक्त बनाने का ऐतिहासिक अवसर होगी।

भारतीय ज्ञान परंपरा में समग्रता का चिंतन है : डॉ अतुल कोठारी

शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

उज्जैन। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा चरित्र निर्माण व्यक्तित्व का समग्र विकास विषय आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में लोकमान्य तिलक परिसर में विशिष्ट व्याख्यान आयोजित हुआ।

'भारतीय ज्ञान परंपरा = आधुनिक संदर्भ में' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान देते हुए न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ अतुल कोठारी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा समग्रता का चिंतन है। भारतीय ज्ञान, भारतीय तत्व एवं भारतीय दर्शन पर आधारित है। भारत ने पूरे विश्व को एक परिवार माना है। कण कण में भगवान है। यह भारत का दर्शन है। इस सत्य को जानने के लिए पश्चिम के 500 वैज्ञानिक शोध कर रहे हैं। गॉड पार्टिकल की परिकल्पना इसी सत्य पर आधारित है। भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल में एक तत्व से सारी सृष्टि का निर्माण है। भारत में चिर पुरातन नित नूतन सनातन को कहा

गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की नीव शिक्षा होती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीयता के सभी संदर्भों को लिया गया है। यह पहली भारतीय शिक्षा नीति है जिसमें बताया गया है कि ज्ञान केवल किताबों से नहीं जीवन व्यवहार से आता है। उन्होंने कहा कि 365 दिन की शिक्षा को 3 घंटे में कैसे मूल्यांकित किया जा सकता है। इसी लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सतत् मूल्यांकन को महत्व दिया गया है। डॉ कोठारी ने कहा कि शोध भारतीय भाषा या मातृभाषा में होना चाहिए। शोध सामाजिक आवश्यकता के अनुभव होना चाहिए। जो पर्यावरण और स्वास्थ्य के अनुकूल है वह भारतीय है। शिक्षा में आध्यात्मिकता का समावेश होना चाहिए। निस्वार्थ भाव से जो काम किया जाए वह आध्यात्मिकता है। क्लासरूम से ही राष्ट्रीयता का निर्माण नहीं हो सकता। राष्ट्रीयता के लिए हमें अंतर्मुखी होना आवश्यक है। विश्व गुरु बनने के लिए, विकसित भारत बनाने के लिए हमें भारतीय ज्ञान आधारित शिक्षा लेना होगी।

विशिष्ट व्याख्यान की अध्यक्षता इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो नागेश्वर राव ने की। संचालन शासकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रशांत पुराणिक ने किया। अतिथि परिचय डॉ राजेश सकोरीकर ने प्रस्तुत किया। आभार न्यास के महानगर अध्यक्ष डॉ नीरज सारवान ने व्यक्त किया। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा प्रो एच एल अनिजवाल, कुलसचिव डॉ दिलीप सोनी, निगम सभापति कलावती यादव, प्राचार्य डॉ कल्पना वीरेंद्र सिंह, प्राचार्य डॉ हरीश व्यास, डॉ राकेश ढण्ड, डॉ जफर महमूद, डॉ गीता नायक, डॉ एस एन शर्मा, डॉ राममनोहर शुक्ला, डॉ राजीव पण्ड्या सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

सांवरिया सेठ की भक्तिमय भव्य भजन संध्या आज

उज्जैन। माँ अहिल्या की नगरी तराना में भक्ति और श्रद्धा का अनुपम संगम देखने को मिलेगा। कांग्रेस नेता एवं जिला पंचायत सदस्य मुकेश परमार द्वारा आयोजित विशाल भजन संध्या आज 12 सितंबर, शुक्रवार को बस स्टैंड स्थित मंगलनाथ मंदिर प्रांगण में संध्या 6 बजे से प्रारंभ होगी।

जिसमें भक्ति संगीत जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले भजन गायक गोकुल शर्मा अपनी मधुर, भावपूर्ण और आत्मा को छू लेने वाले सांवरिया सेठ के भजनों की प्रस्तुतियों से श्रोताओं को भक्तिरस में डुबो देंगे। उनकी विशेष प्रस्तुति में अद्भुत भजनों की श्रृंखला होगी, जो भक्तजनों के हृदय को आनंद और शांति से भर देगी। इस आयोजन की विशेषता यह है कि इसमें केवल संगीत ही नहीं, बल्कि भक्ति, आस्था और समाजिक एकता का अद्वितीय संगम भी देखने को मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर भजन की मधुर ध्वनि, रोशनी की जगमगाहट और श्रद्धालुओं के जयकारों से गूंज उठेगा। कार्यक्रम के आयोजक मुकेश परमार ने धर्मप्रेमी बंधुओं, भजन रसिकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस भव्य भजन संध्या को सफल बनाने की अपील की है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com